

প্রতিশ্রে সহন ঃ

श्री दिखाई अद्य অসমৰ প্রথম অভিবান প্রদৃত্য ।

১৭৯৫ চনত ভেরু বের কাকত হু মুং' নামৰ আহম
ভাষাৰ অভিবানমন আঁচিপাতত লিমি আই গৈছি।

১৯৯২ চনত হেমচন্দ্র গোল্পামীটে ইয়াক উদ্ধাৰ কৰি
ব্রবৃদ্ধী আৰু পুরাতত্ত্ব বিজন'ক অর্পন করিছিন।

ইমার লৈবিও আহোম শ্রোর পুরি ভাঙনির বাবে

ইংবাজি ভিজাই মহনক ইংলেগুলি লৈ ঘোরা বুনি
ভাষা মান । ১৮২৩ চনত এইগরাকী মহান অভিবানিকৰ

ভিকাপত্ত স্থাত্ত্ব হয়।

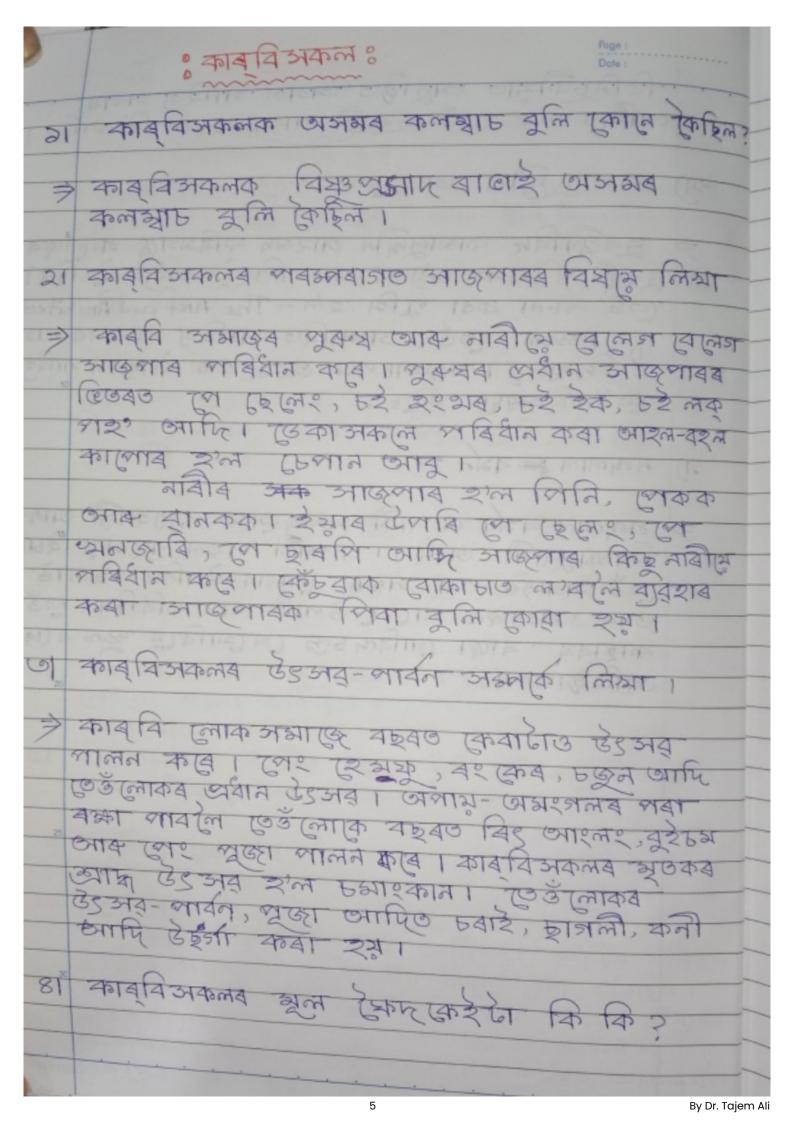
সিনা মান । ১৮২৩ চনত এইগরাকী মহান অভিবানিকৰ

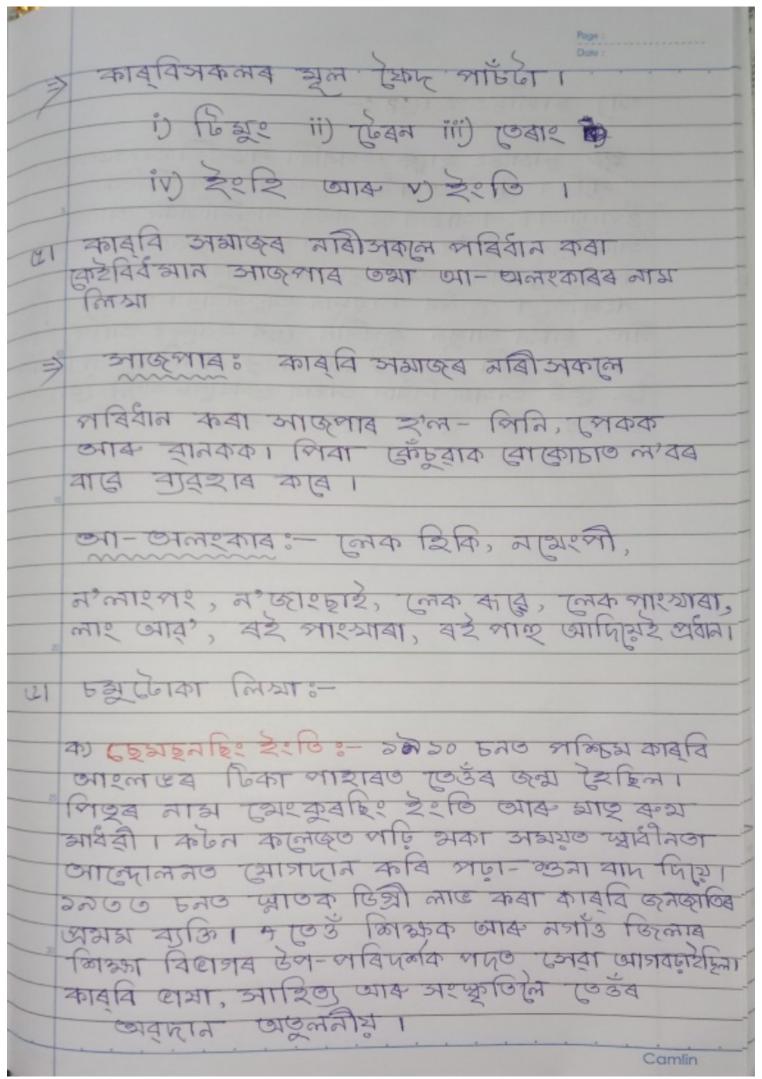
ভিকাপত্ত স্থাত্ত্ব হয়।

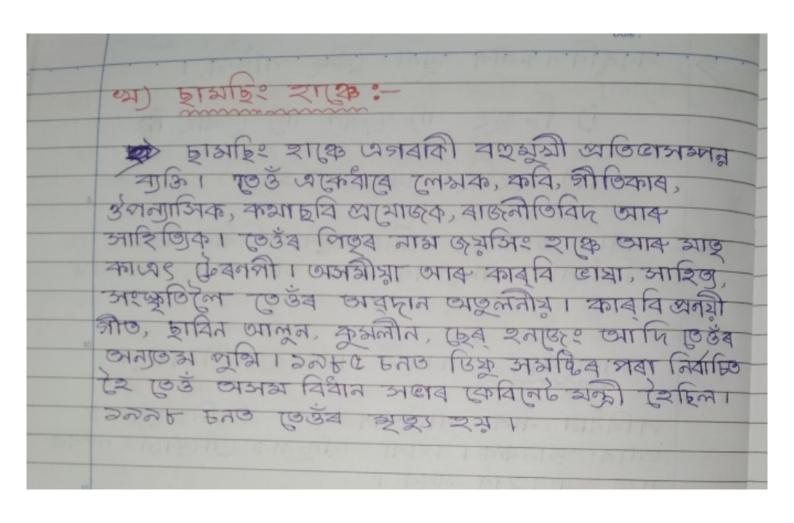
2

কাচাৰৰ জনগোচীসকল वा मुख्य विप्रमक्ष यवाक डेलखुकाक कि यूकि अवञ्चित्रकल व्यक्ति हेल्लाकाक Anthropological 21 वबाक डेलाजकाल वास कवा विवित्र क्रम्लाकी अझ् a 40 ? > वबाक डेलज्काज वाअ कबा विहिन्न छन्। शाहीअग्रूर ट्रंस - अष्टलाधात, अतिलूबी, एएडलूबी, बाक्यश्मी, ढिआहा, तजा, कार्वि, आिह्या, कुकि, बिक्षा, ठाकमा, [तमिती जादि। ा वबाक छेलाजकाब आनूश्व व्यर्वात सीविका कि? त्रे वहाक टेल जिकाब कि आतूर्य अवीत कीकिका श्ल-(अजि-वाजि, वाव्याय आक ठाकि । 81 The backreound of Assamese culture 23347 त्कात बह्ना कविष्ति? वाक्षाइम नाभ ए। दाम्पबायापण व्यवस्थित अत्रिष्ठ अद्भाष्ठ देकी क्रूरेयम व्यवित्राणिक ত্যসম স্বান্ত্যিক সুটবন দলৰ চোনজাৰ কোন আছিন? हे जुलील ह्याइन । ८। ठभू दिनका:-क) बाक (आहत नाश :- (७३ व्यक्तिमु व्यादिन प्राप्त त्वक्षिव नार्वप्रमाछ अहीवलात् अत्मितिह्य कविहिन। अज्ञाव चुब्छ्। जाक भूवाज्यक्ति कुं अव्यान जानामा उडे बठमा कवा मुश्रिव नाडा- The backround of Assamese culture. on a repraguate sitzo on haring वित्र (भेड किं कि कि कि कि । इंडिए के कि Camlin

By Dr. Tajem Ali







ए। म्यू दिवा लिया : लाफि বৰ প্ৰকান दिना सि शिक आह्राश वीव ना हिउ ववश्वकनव इएरर हथत छन्म दिहिस । चिठ आयाई वार्षेत्री व्यवक्वा। आर्जी, अठ्ठा, प्लाव्यापिक, क्रिकेश माध्यक्षण, नियमातूर्विण जापि एउँव प्रविकिक एकत आहिला दे जिया अक क्रावारे घारेव यूक् (उपपर) ० दुव्वं जाद्राञ्च वकाव दुअमामि व्याहिला लाहिए निज्य आश्विक काकि প্ৰাত্তিত কৰি অসমৰ প্ৰা আদিছিল। हमाजल दुमलालि बाम्यिनश्चरे लाहिज्य बन क्रिमलक अभाष्या कवि शिष्टा সভী জ্যুমতী ই অসমৰ ইভিহামত অগৰাকী মহিগুমী নাৰী व्याष्ट्रित अठी क्रम्बडी। क्रम्बडी जातालानिब शर्री जाहिल। अञ्च आद्भाश वाक्ष्य वाक्रिक अव्खा किति अकाव अभग्रेष लालका आलाव মি অংগফ্লত নীতি চলিছিল তাৰ পৰাই अतिक (विदा कवित खाँडी) क्रमं अंडो क्रवंबी स्म हा उपाएव कार्य माछि पूर्णि विविध्य मिल्ली के के के किया किया विविध्य (अध, अअधीमा ताबीब গ্ৰাগৰ আদৰ্শ